

होटल, गन हाउस से लेकर सट्टा प्वाइंट तक पुलिस की दबिश, 15 दिन में आठ केस और सात गिरफ्तार

काली फिल्म, प्लैशर और अवैध हूटर के 1094 मामले पकड़े; 1600 से अधिक लोगों की जांच

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर भी कार्रवाई
अश्वनी पाहवा | लुधियाना
समर न्यूज़

त्योहारी सीजन से पहले कमिश्नरेट पुलिस लुधियाना ने शहर में कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर अपना अभियान तेज कर दिया है। पुलिस की ओर से चलाए गए 15 दिवसीय विशेष अभियान में एक साथ कई स्तरों पर कार्रवाई की गई।

जहां एक तरफ होटल, गन हाउस, अवैध सपा, हुक्का बार, सैलून, कैसीनो और सट्टा प्वाइंटों की जांच की गई, वहीं दूसरी तरफ संदिग्ध लोगों और ट्रैवल एजेंटों का सत्यापन भी किया गया। कॉलेजों के आसपास युवाओं की सुरक्षा को लेकर विशेष निगरानी रखी गई। अभियान के दौरान शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में 1600 से अधिक लोगों की जांच हुई। विभिन्न मामलों में 8 एफआईआर दर्ज कर 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया।



होटल, गन हाउस और सपा पर विशेष नजर

पुलिस टीमों ने होटल और अन्य सार्वजनिक स्थानों की जांच के दौरान वहां आने-जाने वाले लोगों और सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित पहलुओं को देखा। गन हाउसों की भी जांच की गई। इसके साथ ही अवैध सपा, हुक्का बार, सैलून, कैसीनो और सट्टा प्वाइंटों पर कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक ऐसे स्थानों पर नियमित जांच का उद्देश्य किसी भी गैरकानूनी गतिविधि को समय रहते पकड़ना और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखना है।

अभियान की निगरानी पुलिस कमिश्नर लुधियाना के नेतृत्व में डीसीपी स्तर के अधिकारियों ने की। एसीपी और थाना



1600 से ज्यादा लोगों की जांच, 8 एफआईआर

15 दिवसीय अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने शहर और ग्रामीण इलाकों में 1600 से अधिक लोगों की जांच की। इस दौरान सामने आए विभिन्न मामलों ने पुलिस ने 8 एफआईआर दर्ज की और 7 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान नकदी और अन्य सामान भी बरामद किया। अधिकारियों का कहना है कि जांच का दायरा केवल पहले से दर्ज मामलों तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि संभावित अपराधिक गतिविधियों पर भी नजर रखी गई।

प्रभारियों को अपने-अपने इलाकों में फील्ड चेकिंग बढ़ाने के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद स्थानीय पुलिस



काली फिल्म और प्लैशर लाइट पर भी एवशन

सड़क सुरक्षा के लिए चलाए गए अभियान में वाहनों की भी विशेष जांच की गई। पुलिस टीमों ने वाहनों पर लगी काली फिल्म, प्लैशर लाइट और अवैध हूटरों को लेकर कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान काली फिल्म के 913, प्लैशर लाइट के 172 और अवैध हूटर के 9 मामले पकड़े गए। कुल 1094 ट्रैफिक उल्लंघन सामने आए। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक वाहनों में अनधिकृत उपकरण लगाकर चलने वाले के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर जाकर न केवल संदिग्ध गतिविधियों की जांच की, बल्कि ऐसे स्थानों और



अपराध होने से पहले रोकने पर जोर

कमिश्नरेट पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से फील्ड में अभियान की निगरानी करने के साथ थाना स्तर पर पुलिस टीमों को सक्रिय रखा गया। पुलिस का कहना है कि त्योहारी सीजन और आने वाले दिनों में भी सार्वजनिक स्थानों, बाजारों, पब्लिक सड़कों और सैटेनट्रील इलाकों में पैकिंग जारी रखी जाएगी। अवैध गतिविधियों, संदिग्ध लोगों और यातायात निरामों की अन्वेषी करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

व्यक्तियों का रिकॉर्ड भी खंगाला, जहां से कानून-व्यवस्था को लेकर परेशानी पैदा होने की आशंका रहती है।

घुमार मंडी में 5 फुट सड़क तक शीशे का कब्जा, निगम की आंखों पर पट्टी?

‘साडा चलदा है धक्का... अस्सी तां करदे आं!’

लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज़

छोटी रेहड़ी दिखी तो निगम का दस्ता दौड़ पड़ता है, लेकिन घुमार मंडी में दुकान के बाहर सड़क तक 4-5 फुट बढ़ा शीशे का केबिन नजर नहीं आ रहा! शहर के सबसे व्यस्त और पोश बाजारों में शामिल घुमार मंडी के खालसा कॉलेज रोड पर एक मोबाइल एक्सेसरीज दुकान के बाहर कथित तौर पर सार्वजनिक जगह तक शीशे का ढांचा खड़ा कर दिया गया है। इससे फुटपाथ का रास्ता प्रभावित होने के साथ सड़क की चौड़ाई भी कम हो रही है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि अगर यह निर्माण नियमों के खिलाफ है तो नगर निगम अब तक कार्रवाई से पीछे क्यों है?

रेहड़ी वाले का सामान जब्त, बड़े दुकानदार पर मेहरबानी: घुमार मंडी में पहले ही पार्किंग और ट्रैफिक का दबाव रहता है। ऐसे में सड़क की ओर 4-5 फुट तक बढ़ाया गया कथित शीशे का केबिन राहगीरों के लिए परेशानी पैदा कर रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आम रेहड़ी-फुडी वालों पर निगम की कार्रवाई कुछ ही समय में हो जाती है। सामान उठाने से लेकर चालान तक



की कार्रवाई की जाती है, लेकिन बड़े दुकानदार के कब्जे पर कथित तौर पर खामोशी बनी हुई है। सूत्र बोले- ‘ऊपर तक पहुंच’ की चर्चा, इसलिए कार्रवाई ठंडी: सूत्रों से पता चला है कि संबंधित दुकान मालिक की सत्ताधारी पार्टी के कुछ स्थानीय वरिष्ठ नेताओं से नजदीकियां बताई जा रही हैं। इलाके में यह चर्चा भी है कि राजनीतिक पहुंच के चलते संबंधित दुकान पर कार्रवाई नहीं हो रही। हालांकि, राजनीतिक संरक्षण और नेताओं से करीबी के इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

अफसरों को जानकारी फिर भी कार्रवाई नहीं: सूत्रों के मुताबिक नगर निगम की संबंधित बिल्डिंग ब्रांच और तहबाजारी विंग के अधिकारियों को मौके पर बने कथित ढांचे की जानकारी है। इसके बावजूद अब तक कार्रवाई नहीं होने से निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। मामला सिर्फ एक दुकान के बाह बने शीशे के केबिन का नहीं, बल्कि सार्वजनिक जगह पर कब्जे को लेकर निगम के कथित दोहरे रवैये का है। सवाल यह है कि निगम सिर्फ छोटे दुकानदार और रेहड़ी वालों के लिए हैं या बड़े दुकानदारों पर भी वही कानून लागू होगा?

अब नगर निगम की जांच से ही साफ होगा कि यह शीशे का ढांचा मंजूर नक्शे और नियमों के मुताबिक है या फिर सार्वजनिक जगह पर किया गया कथित अवैध कब्जा। अगर यह नियमों के खिलाफ पाया जाता है तो निगम क्या कार्रवाई करता है, इस पर घुमार मंडी के दुकानदारों और राहगीरों की नजर रहेगी। वहीं तहबजारी विभाग क्लर्क कुश ने कहा ये पक्की एन्फोर्समेंट की हुई है, इस पर बिल्डिंग ब्रांच कार्यवाई करेगी।

गांव नंगल में लाभार्थियों को बांटे स्वास्थ्य कार्ड

शुभम शर्मा | फिल्लौर
समर न्यूज़

पंजाब सरकार की ओर से लोगों को बेहतर एवं निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से चलाई जा रही मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत गांव नंगल के सरकारी प्राइमरी स्कूल में लाभार्थियों को स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए गए। इस अवसर पर गांव नंगल पहुंचने पर गांववासियों की ओर से हलका इंचार्ज हरजोत कौर लोहटिया का गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में बूथ इंचार्ज पर्वीन कुमार, ग्राम पंचायत सदस्य जीतो एवं सोमा रानी सहित वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी मौजूद रहे। इस मौके पर हरजोत कौर लोहटिया ने कहा कि मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत पात्र परिवारों को 10 लाख रुपये तक का कैशलेस चिकित्सा उपचार उपलब्ध करवाने की सुविधा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि पात्र परिवार अपना स्वास्थ्य कार्ड बनाकर इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।

घर पहुंची तो बदल चुके थे ताले और मालिक रात भर बसंत एवेन्यू चौकी के बाहर बैठी रही महिला

सहजप्रीत सिंह | लुधियाना
समर न्यूज़

लुधियाना में बसंत एवेन्यू पुलिस चौकी के बाहर मंगलवार देर रात एक महिला ने जमकर हंगामा किया। महिला का आरोप है कि उसके पति ने अपनी मां के साथ मिलकर वह मकान बेच दिया, जिसमें वह करीब लंबे समय से रह रही थी। नौकरी से वापस घर पहुंची तो मकान पर ताला लगा था और अंदर नए मालिकों को देखकर उसके होश उड़ गए। परेशान महिला ने 112

दीवार फांदकर घर में पहुंची

112 पर सूचना के बाद पीसीआर टीम मौके पर पहुंची। महिला के अनुसार, पति ने पुलिस के सामने लिखित बयान देने की बात कही, लेकिन चौकी नहीं आया। करीब रात एक बजे तक समाधान न होने पर तनवी दीवार फांदकर घर के परिसर में पहुंची और वही रात बिताई। तनवी ने पति और सास से जान का खतरा बताते हुए पुलिस से सुरक्षा और कार्रवाई की मांग की है। पति ने कहा कि वह जरूर लिखित में आजा पत्र देगा।

पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी और देर रात तक चौकी के बाहर बैठी रही।

मास्टर कालोनी, जैन मंदिर रोड निवासी सीए तनवी गुप्ता के मुताबिक, उसकी शादी करीब नौ साल पहले हुई थी और उसका आठ वर्षीय बेटा है। महिला का आरोप

आरोप सुनते ही भड़क गई पत्नी

पंचायत के दौरान मीनोदर की मा ने पूजा पर आरोप लगाया कि वह अपने पहले पति के पास जाती है और अपनी बेटी से मिलने के कारण भी घर में विवाद होता है। इसी दौरान उसने पूजा पर किसी अन्य व्यक्ति के साथ मिलने की तैयारी का आरोप लगा दिया। यह सुनते ही पूजा भड़क गई। वीडियो में वह पति का कॉलेज पकड़कर उससे कहती नजर आती है कि उसने उसकी इज्जत खराब कर दी और बताए कि वह किसके साथ मानी थी। इसके बाद उसने पति को दो थप्पड़ मार दीं। वहीं पूजा ने सस्पेंड पक्ष पर उसे परेशान करने तथा जेलानी पर बेवफा विवाद खड़ा करने के आरोप लगाया। विवाद सुलझाने पहुंचे दोनों पक्षों की बातचीत मारपीट तक पहुंच गई। घटना के बाद दोनों ने पंचायती तौर पर अलग होने का फैसला कर लिया।

प्रेम संबंध बने और उन्होंने लव मैरिज कर ली। पूजा की यह दूसरी शादी बताई जा रही है।

चार दिन से पानी को तरस रहे वार्ड-86 के लोग, धरने पर गरजे पार्षद

‘अफसरों की नींद टूटी तो एक दिन में समाधान का वादा’
लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज़

वार्ड-86 के जसवंत नगर और आसपास के इलाकों में पिछले 3-4 दिनों से पीने का पानी नहीं मिलने से गुस्साए लोगों ने बुधवार को नगर निगम के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। वार्ड पार्षद मंजीत सिंह हिल्लों के नेतृत्व में लोगों ने धरना देकर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

धरने में विधायक पुत्र एवं आप पार्षद अमन बग्गा भी पहुंचे और अधिकारियों की लापरवाही पर तोखी



नाराजगी जताई। इलाका निवासियों का कहना था कि एक दिन पानी न आने से ही घरों में परेशानी खड़ी हो जाती है, जबकि यहां लगातार कई दिनों से लोग पानी के लिए परेशान हैं। लोगों के मुताबिक इलाके का एक ट्र्यूबवेल काफी समय से खराब पड़ा है, जबकि दूसरे ट्र्यूबवेल की मोटर पिछले 2-3 दिनों से खराब है। आरोप

है कि एसडीओ और जेई को बार-बार जानकारी देने के बावजूद समस्या का समय पर समाधान नहीं किया गया। धरने के दौरान पार्षद मंजीत सिंह हिल्लों ने कहा कि वार्ड-86 उनके लिए परिवार की तरह है और वह लोगों के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की गति बढ़ाने की जरूरत है, लेकिन निगम अधिकारियों

की लापरवाही के कारण लोगों को पानी जैसी मूलभूत सुविधा के लिए भी प्रदर्शन करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक मदन लाल बग्गा की ओर से विकास कार्यों को तेजी से करवाने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन निगम स्तर पर काम अटक रहे हैं। पार्षद ने कहा कि धरना जोन-सी कार्यालय तक ले जाने की

अवैध निर्माण की शिकायतों पर बिल्डिंग इंस्पेक्टरों पर कार्रवाई की सिफारिश

लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज़

नगर निगम के जोन-सी में अवैध निर्माण और नाजायज कालोनियों को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों के बाद बिल्डिंग ब्रांच के दो इंस्पेक्टर अधिकारियों के निशाने पर आ गए हैं। निगम के ज्वाइंट कमिश्नर की ओर से निगम कमिश्नर ओजस्वी अलंकार को पत्र भेजकर जोन-सी के बिल्डिंग इंस्पेक्टर दलीप सोनी और कमल धीर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की सिफारिश की गई है। जोन-सी में पिछले कुछ समय से नियमों के विपरीत इमारतों के निर्माण और नाजायज कालोनियां विकसित किए जाने संबंधी शिकायतें उच्च अधिकारियों तक पहुंच रही थीं। शिकायतों का संचान लेते हुए अधिकारियों की ओर से संबंधित मामलों में नोटिस जारी करने के

साथ मौके पर जांच भी करवाई गई। जांच के दौरान निर्माण कार्यों और कंपाउंडिंग फीस से जुड़े मामलों में कई अनियमितताएं सामने आईं। आरोप है कि कुछ इमारतों को नियमों के विपरीत तरीके से कंपाउंडिंग फीस जमा करवाकर तैयार कराया गया। इससे निगम के राजस्व को नुकसान पहुंचने की बात भी सामने आई है। इस मामले में संबंधित एटीपी को भी नोटिस जारी किए जाने की जानकारी है। अब ज्वाइंट कमिश्नर की ओर से कमिश्नर को भेजी गई रिपोर्ट के आधार पर निगम स्तर पर आगामी कार्रवाई की जा सकती है। वहीं, पूरे मामले के सामने आने के बाद यह सवाल भी उठ रहा है कि यदि जोन-सी में अवैध निर्माण और नाजायज कालोनियों को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं तो समय रहते इन पर प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं की गई।

सुविधा तीन श्रमिकों की मौत के मामले में एफआईआर में धाराएं जोड़ने के निर्देश सफाई कर्मचारियों के लिए टर्म इंश्योरेंस लागू करेगा निगम

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष हरदीप सिंह गिल ने की समीक्षा बैठक, वेतन और पीएफ से जुड़ी अधिकांश शिकायतों के निपटारे का दावा
लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज़

सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा और कल्याण को लेकर राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग (एनसीएसके) ने सख्ती दिखाई है। बुधवार को सराभा नगर स्थित नगर निगम के जोन-डी कार्यालय में आयोग के उपाध्यक्ष हरदीप सिंह गिल की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई।

बैठक में नगर निगम की ओर से सफाई कर्मचारियों के लिए आगामी समय में टर्म इंश्योरेंस लागू करने के फैसले की गिल ने सराहना की। गिल ने विभिन्न कर्मचारी यूनियनों के प्रतिनिधियों से बातचीत कर



सेटिक टैंक हादसे में एफआईआर में धाराएं जोड़ने के निर्देश

बैठक में एक स्थानीय फेक्ट्री में सेटिक टैंक की सफाई के दौरान तीन श्रमिकों की मौत के मामले पर भी चर्चा हुई। आयोग के उपाध्यक्ष ने पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि इस मामले में दर्ज एफआईआर में ‘मैनुअल स्ट्रेचजर्स’ के रूप में रोजगार की मजदूरी अधिनियम और एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराएं शामिल की जाएं। गिल ने कहा कि पुलिस को संबंधित धाराएं जोड़ने के लिए एक माह का समय दिया गया है। निर्धारित अवधि में कार्रवाई नहीं होने पर संबंधित पुलिस अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की सिफारिश की जाएगी। आवरकटा पड़ने पर मामला सुप्रीम कोर्ट के समक्ष भी उठाया जाएगा।

उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों की सुरक्षाओं के जल्द निपटारे के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा और उनके अधिकारों से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही

‘नमस्ते’ पोर्टल पर कर्मचारियों के एंजीकरण के निर्देश

आयोग के उपाध्यक्ष ने अधिकारियों को केंद्र सरकार की ‘नमस्ते’ योजना के पोर्टल पर सफाई कर्मचारियों का एंजीकरण करवाने के निर्देश दिए। इस योजना का उद्देश्य सीधे और सेटिक टैंक की सफाई से जुड़े कर्मचारियों को सुरक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण संबंधी सुविधाएं उपलब्ध करवाना है। उन्होंने बताया कि सफाई कर्मचारियों के अधिकारों और सुरक्षा की निगरानी के लिए जिला प्रशासन की ओर से निगरानी समितियां गठित की गई हैं। संबंधित अधिकारियों को इन समितियों की नियमित बैठकें सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में एडीसी (जनरल) शिखा मगत, एसी (जनरल) पायल गोयल, नगर निगम के संयुक्त आयुक्त अमनप्रीत सिंह, संयुक्त आयुक्त तानन मजरा, सीएम के पीएड अधिकारी पुष्पा गुलटी सहित जिला प्रशासन और निगम अधिकारी मौजूद रहे।

शिकायतों का नगर निगम की ओर से निपटारा किया जा चुका है।

जनगणना 2027 की तैयारी तेज फील्ड ट्रेनर्स को दिया प्रशिक्षण



लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज़

जनगणना 2027 के दूसरे चरण यानी जनसंख्या गणना की तैयारियों को लेकर लुधियाना में फील्ड ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को समाप्त हो गया। प्रशिक्षण के अंतिम दिन पंजाब के चंडीगढ़ स्थित डायरेक्टोरेट ऑफ सेंसस ऑपरेशंस की डिप्टी डायरेक्टर रुचि गुप्ता ने कार्यक्रम में पहुंचकर फील्ड ट्रेनर्स से बातचीत की।

ऑफिसर विनीत कुमार के मार्गदर्शन में दो बैचों में आयोजित किया गया। जिला कोऑर्डिनेटर एवं जिला मास्टर ट्रेनर आलोक कुमार तथा जिला मास्टर ट्रेनर हरमीत सिंह ने प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रतिभागियों को एन्यूमेरेटर व सुपरवाइजर की भूमिका एवं जिम्मेदारियों, फील्ड प्रक्रिया व जनगणना मोबाइल एप के विभिन्न मॉड्यूल की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों ने अपनी शंकाएं भी रखीं, जिनका अधिकारियों और प्रशिक्षकों ने समाधान किया।